गाँधी विद्या मन्दिर, सरदार
आपका हार्दिक अभिनन्दन

गाँधी विद्या मन्दिर, सरदार शहर
"गुरु-पूर्णिमा उत्सव"
आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है।

शेखावाटी

रविवार/ 25 जुलाई /2021

## शिक्षा व्यापार की वस्तु नहीं अपितु उपकार की वस्तु है

# अतः शिक्षक को स्वावलंबी होना आवश्यक है - हिमांशु दूगड़

सरदारशहर। मुन्नालाल राव

गांधी विद्या मंदिर एवं उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) , सरदारशहर के संयुक्त तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सोहन सभागार में मनाया गया। सर्वप्रथम संस्था के संस्थापक आदि गुरु एवं प्रेरणा स्त्रोत स्वामी श्री रामशरण जी महाराज की प्रतिमा का पूजन किया गया। गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ ने गुरुजनों का पूजन कर उनका सम्मान किया। कुलपति प्रोफेसर देवेंद्र मोहन ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु अज्ञान तिमिर का ज्ञानार्जन श्लाका से निवारण कर देता है। इतिहास प्रसिद्ध गुरुओं के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रेरणास्पद बताया। कुलाधिपति कनक मल दूगड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु का कर्ज तब चुकता है जब शिष्य को वह अपने समान ज्ञानवान बना दे।भारतीय संस्कृति में सदियों से आज तक सदगुरु को ईश्वर का प्रतिनिधि मानकर पूजा जाता है। गुरु की शिक्षा में व्यापार नहीं होना चाहिए जो आजकल के ढ़ेंगी गुरु कर रहे हैं। गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़ ने कहा कि गुरु का अर्थ उपकार है , गुरु का लक्ष्य अपने जीने को प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करके दूसरों को सही आचरण, सही ज्ञान एवं जीवन जीना सिखाना है। शिक्षक उपकार विधि से शिक्षण कराएं। गुरु बनने के लिए सबसे बड़ा गुण स्वावलंबन होना यदि गुरु स्वावलंबी नहीं होगा तो कैसे उपकार करेगा।शिक्षा व्यापार की वस्तु नहीं है उपकार की वस्तु है। आयुर्वेद विश्व भारती के गोपाल निर्वाण एवं वंदना समूह ने गुरु महिमा पर भजनों की प्रस्तुति दी। गांधी विद्या मंदिर के अतिरिक्त सचिव जितेंद्र पारीक ने अतिथियों एवं गुरुजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समाजसेवी उम्मेद नाहटा श्री रामप्रसाद पारीक, , डॉ रविंद्र चौधरी ,डॉ प्रवीण शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के समन्वयक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ अविनाश पारीक थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.रंजीता बैद ने किया।